Personality

Theories Adopting Trait cum Type Approach :- विशेषक एवं प्रकार सम्बन्धित सिद्धान्त :-

आईजैक द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्त इस श्रेणी में आता है।
इस मामले में गार्डन ऑलपोर्ट तथा आर. बी. कैटल से कुछ और आगे बढ़ जाता है। वह किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व का चयन वर्णन करने तथा उसकी पहचान कायम करने के लिए उसके व्यक्तित्व गुणों (Trait) की ही चर्चा नहीं करता, बल्कि इन गुणों के आधार पर व्यक्तियों को निश्चित वर्गों में या प्रकारों में बाँटने का प्रयत्न करता है।

व्यवहार संगठन की प्रक्रिया को आईजैक द्वारा चार स्तरों में विभाजित किया गया है।

(1) सबसे निचले स्तर पर "विशिष्ट अनुक्रियाएँ" आती हैं। ये किसी भी एक उद्दीपन (Stimulus) के प्रति होने वाली विशेष अनुक्रिया को व्यक्त करती हैं।
उदाहरण के रूप में शर्म के कारण चेहरे का लाल हो जाना। (Blushing) एक

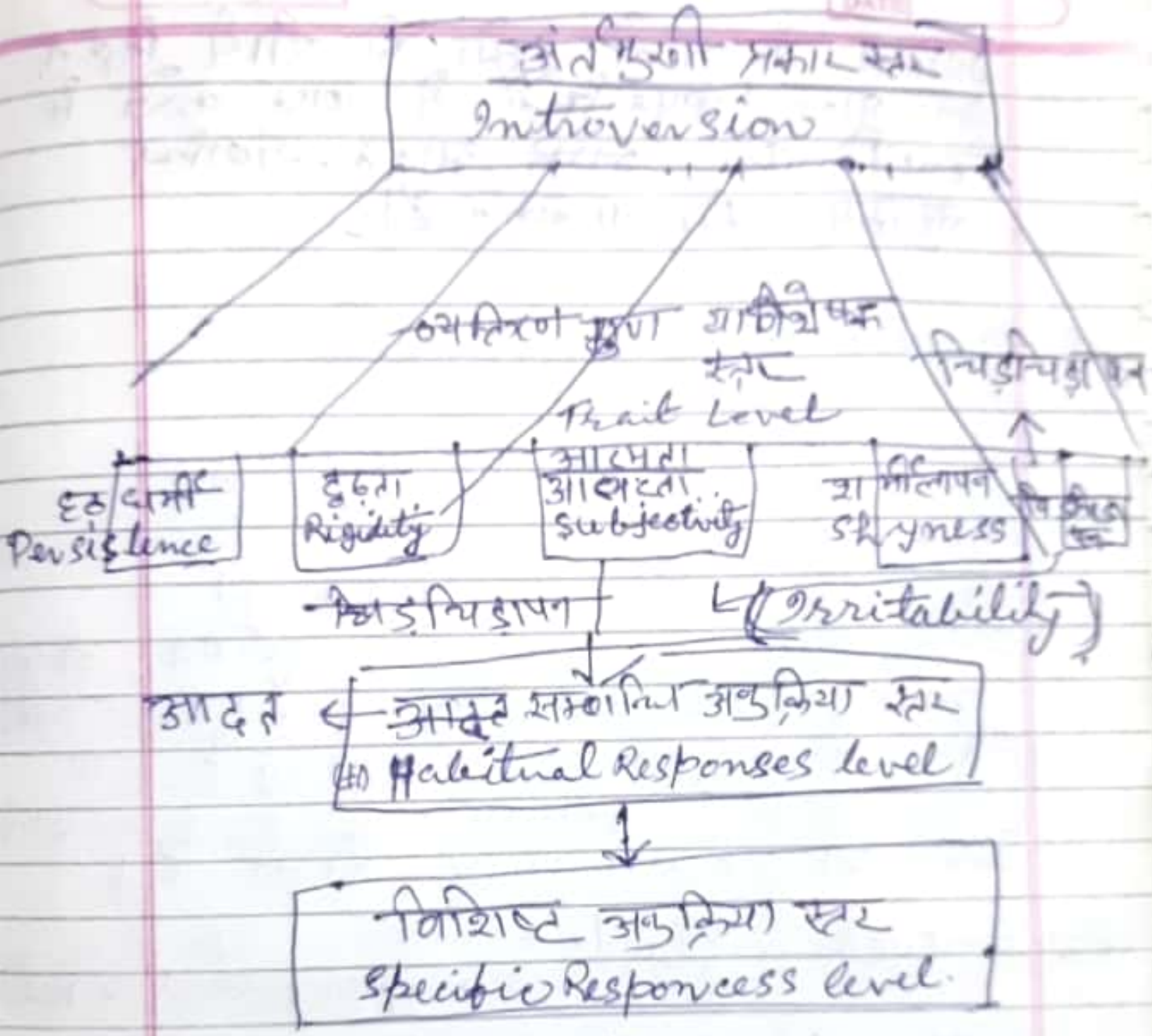

विशिष्ट अनुक्रिया है।

(2) दूसरे स्तर पर सामान्य या आदत सम्बन्धित अनुक्रिया (Habitual Response) आती है। अगर कोई व्यक्ति एक ही परिस्थितियों बार-बार एक जैसी अनुक्रिया व्यक्त करे तो हम उसे आदत सम्बन्धित अनुक्रिया कहते हैं।

Scanned with CamScanner

उदाहरण के रूप से दूसरों को शीघ्र मित्र न बना पाना। अपरिचितों से बात करने में हिचकिचाना आदि आदत-संबन्धित अनुक्रिया कही जा सकती है।

Scanned with CamScanner